आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 24.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महासू देवता मंदिर क्षेत्र के पुनर्विकास कार्यों में तेज़ी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।
- उत्तरकाशी जिले में लोहारी–नागपाला जल विद्युत परियोजना के लिए बनी सुरंगों में सुरक्षात्मक कार्य कर उन्हें बंद किया जाएगा।
- सीमांत जिले चमोली में पर्यटकों के भ्रमण के लिए इनर लाइन परमिट के आवेदन की सुविधा को ऑनलाइन किया गया।

किसान सम्मान निधि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसके अलावा वे 720 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस योजना के माध्यम से भूमिधारक किसानों को तीन समान किस्तों में सालाना छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। देश भर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें लगभग ढाई करोड़ किसान कार्यक्रम से जुड़ेंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस दिन को किसान सम्मान समारोह के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री

दो दिवसीय जौनसार बावर दौरे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून जिले के हनोल में प्रातः काल भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों से मुलाकात कर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ महासू देवता मंदिर क्षेत्र के पुनर्विकास के मास्टर प्लान पर विस्तृत चर्चा कर कार्यों में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। श्री धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार जौनसार बावर की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। जन–जन के विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी के हर्षिल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शीतकालीन यात्रा से संबंधित प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के साथ ही स्थलीय निरीक्षण किया।

डॉक्टरों की कमी रुद्रपुर

ऊधमसिंह नगर जिले में चिकित्सकों की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। जिले में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 30 फीसदी से अधिक पद रिक्त चल रहे है, जबकि सामान्य डॉक्टरों के 50 फीसदी पद खाली हैं। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. के.के अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टरों की कमी को जल्द पूरा किया जाएगा। जिले में कार्यरत चिकित्सकों को आवश्यकता के अनुसार स्थानांतरित किया जा रहा है। साथ ही निजी चिकित्सकों से भी आवेदन मांगे गए हैं।

गंगा स्वच्छता

उत्तरकाशी में ज्ञानसू बैराज के किनारे गंगा नदी के पास सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में निजी संस्था, नगर पालिका अध्यक्ष, सभासद और स्थानीय लोगों ने योगदान दिया। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपील की है कि गंगा और नगर को स्वच्छ बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

सुरंग बंद

उत्तरकाशी जिले में वर्ष 2010 में पर्यावरणविदों के आंदोलन के बाद बंद हुई लोहारी–नागपाला जल विद्युत परियोजना के लिए बनी सुरंगों में सुरक्षात्मक कार्य कर उन्हें बंद किया जाएगा। इसके लिए उत्तराखंड जल विद्युत निगम की ओर पहले चरण में सर्वे कर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह अधूरी सुरंगें भूकंप और आपदा के दृष्टिकोण से भविष्य में बड़ा खतरा बन सकती हैं। वर्ष 2006 में 2 हजार 775 करोड़ की लागत से एन.टी.पी.सी. ने भागीरथी नदी पर 600 किलोवाट की लोहारी नागपाला परियोजना का निर्माण कार्य शुरू किया था। इस इसमें सोनगाड़ के समीप बांध और साथ ही सोनगाड़ से थिरांग तक करीब 10 से अधिक सुरंगों का निर्माण हो चुका था। लेकिन वर्ष 2010 में पर्यावरणविद जी.डी अग्रवाल ने इस परियोजना के विरोध में उत्तरकाशी में धरना शुरू कर दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने यह परियोजना बंद कर दी थी। इसमें करीब 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था। वहीं आधी–अधूरी परियोजना का रख–रखाव न होने के कारण अब इसकी खाली पड़ी सुरंगे भूकंप और आपदा के दृष्टिकोण से बड़ा खतरा बन सकती है। इन सुरंगों के ऊपर बसे कुज्जन, तिहार, भंगेली आदि गांव के ग्रामीण भी बरसात और भूकंप के दौरान भय के साये में जीते हैं। उत्तराखंड जल विद्युत निगम के जन सम्पर्क अधिकारी विमल डबराल ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से सुरक्षा की मांग कर रहे थे। इस संबध में एनओसी संबंधित कार्यवाही की जा रही है। वहीं इस पर सुरक्षात्मक कार्य के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

इनर लाइन परमिट

सीमांत जिले चमोली में इनर लाइन परमिट की ऑन लाइन सुविधा मिलने से पर्यटक अब भारत – तिब्बत चीन सीमा क्षेत्र से लगे पर्यटन व धार्मिक स्थलों का दीदार कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू कर दी है। सीमांत क्षेत्र में भ्रमण के इच्छुक पर्यटक अब घर बैठे सुगमता से इनर लाइन परमिट के लिये आवेदन कर सकेंगे। जनपद में भारत–तिब्बत चीन सीमा क्षेत्र में

माणा पास, रिमखिम पास और नीती पास मौजूद हैं। जहां नैसर्गिक सौंदर्य से भरपूर झीलें व घाटियों के साथ ही धार्मिक आस्था के केंद्र भी है। ऐसे में इन क्षेत्रों के भ्रमण के लिए प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देश – विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं। लेकिन सीमा क्षेत्र होने के चलते यहां पहुंचने के लिए प्रशासनिक अनुमति आवश्यक है। ऐसे में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवेदन में हो रही दिक्कतों को देखते हुए चमोली जिला प्रशासन ने आवेदन की प्रक्रिया को ऑन लाइन कर दिया है। वेबसाइट पर आवेदन के दौरान ही मौसम व सीमा क्षेत्र की सड़क की स्थिति की जानकारी भी उपलब्ध होगी। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि इससे क्षेत्र के विकास के साथ ही जिले में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।

बैठकी होली महोत्सव

चम्पावत जिले में पहली बार बैठकी होली महोत्सव का आयोजन किया गया। कलश संगीत कला समिति के तत्वावधान में जिला मुख्यालय चम्पावत में शास्त्रीय संगीत आधारित बैठकी होली महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के अध्यक्ष हिमेश कलखुड़िया ने बताया कि बैठकी होली की इस विधा को गांव–गांव तक फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इसको खड़ी होली मिश्रित कार्यक्रम के रूप में किया जाएगा।

महाकुंभ

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु हर रोज शामिल हो रहे हैं। अब तक 62 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा चुके हैं। कल करीब एक करोड़ 32 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई, जिनमें कई जानी–मानी हस्तियां शामिल थीं।